समाज कल्याण प्रशासन

संगठन एवं कार्यप्रणाली

हरियाणा के विशेष सन्दर्भ में

डॉ. उदयभान सिंह

समाज कल्याण प्रशासन
संगठन एवं कार्यप्रणाली
हरियाणा के विशेष संदर्भ में

लेखक

डॉ० उदयभान सिंह

सहायक प्राध्यापक लोक प्रशासन

एवं

विभागाध्यक्ष–जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग

गुरुनानक खालसा कालेज, यमुनानगर, हरियाणा

RP PUBLICATIONS

R.P. PUBLICATIONS

DELHI-110053 (INDIA)

विषय सूची

संकेत सूची	v
भूमिका	vii
हृदय से.....	ix
अनुशंसा	xi
प्रथम अध्याय	
प्रस्तावना	1
द्वितीय अध्याय	
समाज कल्याण प्रशासन का संगठन	53
तृतीय अध्याय	
प्रशासनिक एवं संगठनात्मक पहलू	114
चतुर्थ अध्याय	
नीति, नियोजन एवं कार्यान्वयन	147
पंचम अध्याय	
कार्यक्रम का लाभार्थियों पर प्रभाव	185
षष्टम अध्याय	
निष्कर्ष एवं सुझाव	223
संदर्भ सूची	249
परिशिष्ट–I	264
परिशिष्ट–II	265

Kartar Nagar, Delhi-110053
E-mail: rppublication2009@gmail.com
www.rppublication.com
Mobile: 9968053557, 9811149816

समाज कल्याण प्रशासन

संगठन एवं कार्यप्रणाली

हरियाणा के विशेष संदर्भ में

© Author

First Edition 2018

ISBN 978-93-82398-78-3

All rights reserved no part of this work may be
a retrieval system, or transmitted in any fo

INTEGRAL HUMANISM

DR. UDAY BHAN SINGH

INTEGRAL HUMANISM

Uday Ban Singh

Business Press India
Delhi NCR., INDIA

Phone no. : 91-9871227760, 91-8384080627

INTEGRAL HUMANISM

© Copyrights Reserved

All rights reserved. No part of this publication may be repr
in any form or by any means-photographic, electronic or mech
photocopying, recording, taping or information storage and re
without the written permission of the publishers.

ISBN : 978-93-82876-93-9

First Edition 2022

Antyoudey, Hindurashtra & Akhand Bharat

Political Aspirations of Pt. Deen Dyal Upadhyay

DR. UDAY BHAN SINGH

Antyouday, Hindurashtra
&
Akhand Bharat

Political Aspirations of Pt. Deen Dayal Upadhyay

Uday Ban Singh

Business Press India
Delhi NCR., INDIA

Contents

1.	Difficult Childhood : Gifted Student Life	9
2.	Joining The Rashtriya Swayamsevak Sangh	16
3.	Author And Journalist	20
4.	A Representative Of Culture In Politics	26
5.	Politics Of National Unity	31
6.	A Priest Of Democracy	45
7.	Economic Thinking	54
8.	Founder Of Integral Humanism	67
9.	General Secretary And President of Bharatiya Jan Sangh	73
	Final Setting Out	75

Website : www.ibpdpublications.com
Phone no. : 91-9871227760, 91-8384080627

Antyouday, Hindurashtra & Akhand Bharat
Political Aspirations of Pt. Deen Dayal Upadhyay

© **Copyrights Reserved**

All rights reserved. No part of this publication may be reproduced in any form or by any means-photographic, electronic or mechanical photocopying, recording, taping or information storage and retrieval without the written permission of the publishers.

ISBN : 978-93-82876-62-5

First Edition 2022

भारत 2047

सामूहिक संकल्पना

प्रभात

संपादक

प्रो. बृज किशोर कुठियाला

अनुक्रम

	प्राक्कथन		*5*
1.	भारत विजन 2047	**—डॉ. कृष्ण सिंह आर्य**	11
2.	हमारे सपनों का भारत-2047	**—डॉ. सुरेंद्र कुमार मिश्रा**	26
3.	मेरी कल्पना का भारत	**—श्री विजय मनोहर तिवारी**	50
4.	भारत : 2047	**—प्रो. राज नेहरू**	63
5.	भारत 2047 : विश्व भाषा होगी संस्कृत	**—डॉ. कृष्ण चंद्र पांडेय**	75
6.	भारतीय संस्कृति, चुनौतियाँ और समाधान	**—श्री पार्थ सारथि थपलियाल**	88
7.	भारत-2047 में धर्म एवं संस्कृति	**—डॉ. शैलेंद्र कुमार**	109
8.	समृद्ध एवं सुखी गाँव होंगे भारत का भविष्य	**—डॉ. अमरेंद्र कुमार आर्य**	129
9.	वायु प्रदूषण मुक्त भारत : एक परिकल्पना	**—डॉ. के.सी. अरोड़ा**	147
10.	2047 का भारत कैसा हो	**—डॉ. उदय भान सिंह**	153
11.	लोक कल्याण के लिए संवाद	**—डॉ. पवन सिंह मलिक**	160
12.	भारतीय राजनीति के लिए बने राष्ट्र-नीति	**—डॉ. प्रियंका शर्मा**	175
13.	विश्वगुरु : संस्कृतमय भारत	**—डॉ. गोविंद बल्लभ**	187
14.	मेरे सपनों का गाँव	**—डॉ. दयानंद कादियान**	202

2047 का भारत कैसा हो

–डॉ. उदय भान सिंह

प्रस्तावना

हर किसी के हृदय में भारतीय स्वतंत्रता के सौ साल पूरे होने के बाद 'भारत कैसा होगा' इसकी जिज्ञासा है। प्रस्तुत निबंध में वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य के दृष्टिगत 2047 के राजनीतिक भारत की कल्पना रेखांकित करते हुए एक परिपक्व राजनीतिक व्यवस्थाओं की कल्पना की गई है, जहाँ सभी राजनीतिक दृष्टि से परिपक्व और जागरूक हों तथा राजनीति के कर्ता-धर्ता पूर्णत: ईमानदारी से जनता की अभिलाषाओं को पूरा करनेवाले बनें। अर्थव्यवस्था ऐसी हो कि समाज के अंतिम छोर पर खड़े मानव का भी संपूर्ण विकास हो सके। अर्थव्यवस्था पं. दीनदयाल उपाध्यायजी की कल्पनाओं के अनुरूप हो। भारत सांस्कृतिक दृष्टि से पहले भी समर्थवान रहा है, किंतु 2047 तक भारतीय संस्कृति का परचम पूरे विश्व भर में गूँजे, ऐसी स्थिति का निर्माण हो। समाज सर्वसमावेशी स्वभाव का बने। जहाँ किसी को कोई भी अभाव न हो और परस्पर निर्भरता से समाज की आकांक्षाओं की पूर्ति हो। ऐसा भारतीय समाज बने। शिक्षा रोजगार देने तक सीमित न हो, बल्कि मानवीय चरित्र के निर्माण का माध्यम बन समाज और राष्ट्र की आवश्यकताओं को पूरा करनेवाली बने। 2047 के भारत का पर्यावरण पूर्णत: मानवीय जीवन के अनुकूल हो तथा हर प्रकार के प्रदूषण से मुक्त भारत हो। संविधान की वह कमियाँ, जिनके कारण विकास व राजनीतिक पथ अवरुद्ध होता है। उन्हें निकालकर एक आदर्श संविधान हो, जो जनाकांक्षाओं का प्रतिबिंब हो। प्रशासन पूरी तरह से विधियों और लाल फीताशाही के बधनों से मुक्त संवेदनशील हो। समाज की मातृशक्ति सब अधिकारों से सुसज्जित और आत्मनिर्भर हो। सेना और सुरक्षा बल अत्याधुनिक उपकरणों और तकनीकी से परिपूर्ण हों, ताकि सुरक्षा

प्रकाशक • **प्रभात प्रकाशन प्रा. लि.**
4/19 आसफ अली रोड,
नई दिल्ली–110002
सर्वाधिकार • सुरक्षित
पेपरबैक संस्करण • प्रथम, 2022
मूल्य • तीन सौ पचास रुपए
मुद्रक • आर–टेक ऑफसेट प्रिंटर्स, दिल्ली

2047 *Ed.* Prof. Brij Kishore Kuthiala ₹ 350.00
y Prabhat Prakashan Pvt. Ltd., 4/19 Asaf Ali Road, New Delhi-2
hatbooks@gmail.com ISBN 978-93-5562-002-6

नागरिक पत्रकारिता

(Citizen Journalism)

संपादक

डॉ. पवन सिंह मलिक

अनुक्रम

प्रस्तावना — उमेश उपाध्याय 7

प्रोत्साहन के साथ-साथ प्रशिक्षण भी जरूरी (संपादकीय) 11
— डॉ. पवन सिंह मलिक

1. हम नागरिक पत्रकार क्यों बनें 15
— लोकेन्द्र सिंह

2. नागरिक पत्रकारिता की आधुनिक समाज में भूमिका 23
— प्रशांत बाजपेई

3. नागरिक पत्रकारिता : परिचय, इतिहास व भारत में नागरिक पत्रकारिता 30
— विजयेन्दु कुमार झा

4. नागरिक पत्रकारिता : चुनौतियाँ, भविष्य और संभावनाएँ 36
— साकेत दुबे

5. नागरिक पत्रकारिताः प्रकार, माध्यम एवं अभ्यास के तरीके 42
— अनिल कुमार पांडेय

6. भाषा की शुद्धता और स्तर है बड़ी चुनौती 60
— दिनेश कुमार

7. लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति का मंच नागरिक पत्रकारिता 66
— अमरेन्द्र कुमार आर्य

8. नागरिक पत्रकार से नियमित पत्रकारिता की यात्रा 75
— डॉ. प्रदीप तिवारी

9. नागरिक पत्रकारिता के लिए विषयों का चयन
— डॉ. तरुणा नरुला

10. नागरिक पत्रकारिता में छायाचित्र, वीडियो व ग्राफिक्स का महत्त्व
— डॉ. उदयभान सिंह

11. नागरिक पत्रकारिता और सोशल मीडिया
— डॉ. प्रदीप कुमार

12. नागरिक पत्रकारिता एवं सूचना का अधिकार
— डॉ. भारती बत्तरा

13. ग्रामीण परिप्रेक्ष्य एवं नागरिक पत्रकारिता
— डॉ. जयपाल मेहरा

14. मीडिया में नागरीक पत्रकारिता के लिए अवसर
— डॉ. सुभाष चंद गोयल

15. नागरिक पत्रकारिता प्रशिक्षण के मूल सूत्र
— डॉ. अमित भारद्वाज

नागरिक पत्रकारिता में छायाचित्र, वीडियो व ग्राफिक्स का महत्व

डॉ. उदयभान सिंह

अब वह जमाना चला गया जब केवल व्यावसायिक पत्रकार ही पत्रकारिता करते हुए लोगों तक सूचनाएँ या समाचार पहुँचाते थे। नागरिक पत्रकारिता व सोशल मीडिया के उद्‌भव ने अब यह अधिकार समाज के आखिरी छोर में खड़े व्यक्ति तक पहुँचा दिया है। अर्थात् अब हम सब एक प्रकार से नागरिक पत्रकार हैं और विविध माध्यमों से हम अपनी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उपयोग करते हुए अपनी बात निर्भीक होकर लोगों तक पहुँचा सकते हैं। वास्तव में यही सशक्त लोकतंत्र की आधारशिला है।

इस आलेख में नागरिक पत्रकारिता की प्रस्तावना, चित्रों व छवियों का नागरिक पत्रकारिता के सन्दर्भ में क्या महत्त्व है, यह बताया गया है। अनेक उदाहरणों के माध्यमों से यह बताने की कोशिश की गई है कि चित्रों व छवियों का प्रयोग करने से नागरिक पत्रकारिता कितनी प्रभावी बन जाती है। साथ ही वीडियो अथवा चलचित्रों की नागरिक पत्रकारिता में कितनी जीवंत भूमिका होती हे, को भी बताया गया है।

उदाहरण के माध्यम से चलचित्रों की जीवंतता भी दर्शाई गई है। इसके अलावा नागरिक पत्रकारिता में ग्राफिक्स अथवा रेखचित्र कितनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, इसे उदाहरण देकर बताने की कोशिश की गई है। चित्रों, तथ्यों, उदाहरणों के साथ-साथ सरल व सहज शब्दों के पुंज से सुसज्जित यह आलेख पाठकों को आलोकित करेगा, और वह नागरिक पत्रकार बन लोकतंत्र के सजग प्रहरी की भूमिका निभायेंगे, ऐसा विश्वास है।

ISBN : 978-93-81490-28-0

प्रथम संस्करण : 2020

© डॉ. पवन सिंह मलिक

मूल्य : ₹ 350/-

इस पुस्तक के सर्वाधिकार सुरक्षित हैं। प्रकाशक या लेखक की लिखित अनुमति के बिना इसके किसी भी अंश को, फोटोकॉपी एवं रिकार्डिंग सहित इलैक्ट्रानिक अथवा मशीनी, किसी भी माध्यम से अथवा ज्ञान के संग्रहण एवं पुनर्लिखित प्रणाली द्वारा, किसी भी रूप में, पुनरुत्पादित अथवा संचारित-प्रसारित नहीं किया जा सकता।

प्रकाशक : यश पब्लिकेशंस
1/10753, सुभाष पार्क, नवीन शाहदरा
दिल्ली-110032 (भारत)

विक्रय कार्यालय
4806/24, भरतराम रोड
अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली-110002

संपर्क : 011-40018100
ई-मेल : yashpublishersprivatelimited@gmail.com
बेबसाइट : www.yashpublication.co.in

डिस्ट्रीब्यूटर : यश पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्रा. लि.
Available at : amazon.in, flipkart.com

मुद्रक : थॉमसन प्रेस इंडिया लिमिटेड

ISBN : 978-81-941349-8-5

Good Governance

Publisher
Social Research Foundation, Kanpur

Editor
Dr. Rajeev Misra

Contents

S. No.	Chapter	Page No.
1.	**सुशासन की अवधारणा** अजीत, नीमकाथाना, राजस्थान, भारत	01-13
2.	**Good Governance in India** Hari Krishan, Mahendragarh, Haryana	14-23
3.	**The Concept of Good Governance in Modern Era** Pappi Misra, Kanpur, U.P., India	24-30
4.	भारतीय लोकतंत्र के **समक्ष** वर्तमान **चुनौतियां एवं समाधान** विकास कुमार शर्मा, बून्दी, राजस्थान, भारत	31-46
5.	**Conceptual Study on the Role of Insolvency and Bankruptcy Code, 2016 in Improving Governance in India's Business Operational Climate** Rohan Prasad Gupta, Shounak Das & Priyajit Ray, Kolkata, West Bengal, India	47-67
6.	**Good Governance in India: Aspects, Challenges and Way Ahead** Abhishek Kumar, Bhagalpur, Bihar, India	68-78
7.	**Status of Governance in India** Anu, Lucknow, Uttar Pradesh, India	79-93
8.	**भारत में सुशासन एवं इसकी प्रमुख चुनौतियाँ** सत्येन्द्र सिंह, झुंझुनूं, राजस्थान, भारत	94-103
9.	**MGNREGA and its Implementation through Good Governance** Kuldeep Singh, Patiala, Punjab, India	104-117
10.	**Good Governance & Indian Administration** Udaybhan Singh, Yamuna Nagar, Haryana	118-127

Good Governance & Indian Administration

Udaybhan Singh
H.O.D. & Asst. Professor
Dept. of Mass Communication & Public Administration
Guru Nanak Khalsa College
Yamuna Nagar, Haryana

Abstract

The Good Governance developed as a ground-breaking thought when multilateral and reciprocal offices like the World Bank, UNDP, OECD, ADB, and so on understood that it is a national neighborly, resident minding and responsive organization. Without good governance, no advancement plans can get any change the quality existence of the subjects. Then again, if the intensity of the state, practiced in despicable ways then the poor will endure the most, as poor administration produces and fortifies debasement, destitution and so forth., so it is basic to reinforce the administration and it is likewise the precondition for to enhance the lives of poor people. Numerous noteworthy endeavors or activities have been propelled to enhance the nature of the administration, in the course of recent years. With the presentation of these activities it is demonstrated that the current political framework is particularly willing to react to the expanding difficulties of the administration. In the present paper an attempt has been made to discuss the needs and challenges of good governance in the present day scenario.

ISBN	:	978-81-941349-8-5
Price	:	Rs. 650/-
Copy Right	:	Publisher
Editor	:	Dr. Rajeev Misra
Edition	:	1st Edition, 2020
Publisher	:	Social Research Foundation 128/170, H-Block, Kidwai Nagar, Kanpur (U.P.)
Cover Design	:	Dr. Rajeev Misra
Laser Type Setting	:	Bhawana Nigam
Cover clips source	:	Internet
Printed By	:	Social Research Foundation Kidwai Nagar, Kanpur (U.P.)
Contact	:	9335332333, 9839074762
E-mail	:	socialresearchfoundation@gmail.com
Website	:	www.socialresearchfoundation.com